RPSC + RSSB 2026

कला एवं संस्कृति
ART & CULTURE

राजस्थान की हस्तकला

MOST IMPORTANT QUESTIONS

1. पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त गफरुद्दीन मेवाती जोगी के संदर्भ में सही कथन चुनें-

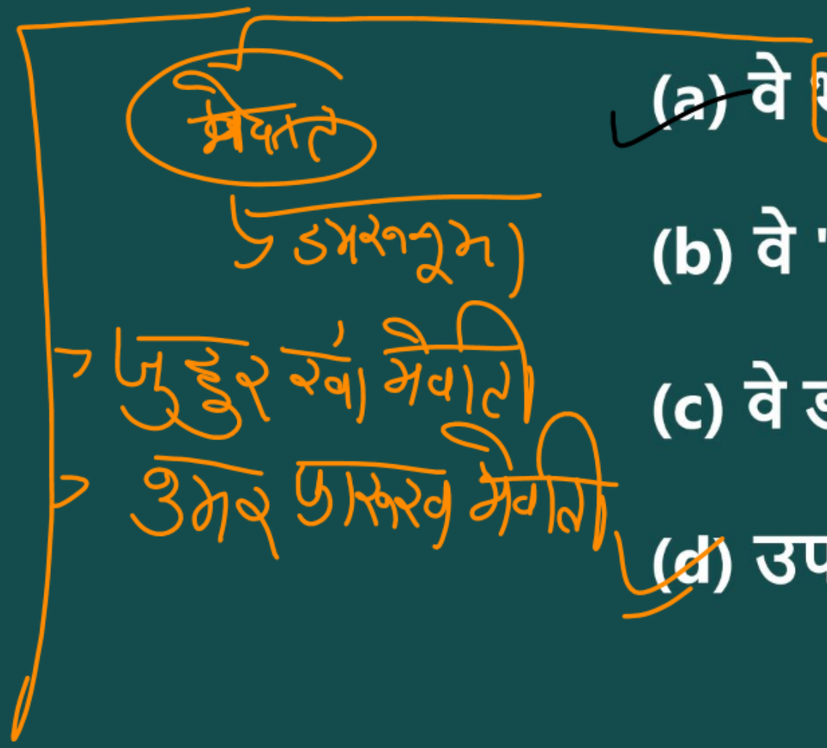

(a) वे भपंग वाद्य के प्रसिद्ध वादक हैं।

(b) वे 'पांडुन का कड़ा' के दोहे गाते हैं।

(c) वे डीग जिले के कैथवाड़ा गांव के निवासी हैं।

(d) उपरोक्त सभी

2. पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त तगाराम भील के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार करें -

1. वे अलगोजा वाद्य के प्रसिद्ध वादक हैं।

2. वे जैसलमेर के मूल सागर गांव के निवासी हैं।

सही विकल्प चुनें -

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) कोई नहीं

3. 'फेटिया' शैली की हैंड-ब्लॉक प्रिंटिंग राजस्थान के निम्नलिखित में से किस क्षेत्र से संबंधित है -

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चुनाव करें :

(a) अकोला

(b) सांगानेर

(c) कोटा

(d) बाड़मेर

4. श्री जानकी लाल भांड राजस्थान की निम्नलिखित में से किस पारंपरिक प्रदर्शन कला में अपनी विशेषज्ञता के लिए प्रसिद्ध हैं -

(a) कठपुतली

(b) बहरूपिया

(c) कालबेलिया

(d) रम्मत

5. राजस्थानी लोक कला का एक रूप जिसका प्रयोग दीवारों, द्वारों, चौखटों, चबूतरों, आँगन और पूजा स्थलों आदि को सजाने के लिए किया जाता है, कहलाता है:

(a) फड़

~~(b) मांडणा~~

(c) पाने

(d) कावड़

6. कोटा डोरिया साड़ी का एक अन्य नाम क्या है? (निम्न में से सबसे उपयुक्त बिकल्प चुनें)

(a) कोटा गोटा पट्टी साड़ी

(b) कोटा बनारसी साड़ी

(c) कोटा कॉटन साड़ी

(d) कोटा मसूरिया साड़ी

7. निम्नलिखित में से, किसने राजस्थान से 'ब्लू पॉटरी' (नील-मृद्भांड) पर, अपनी चित्रकला के लिए, अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की -

(a) बीरबल सिंह

(b) दयालदास

(c) कृपाल सिंह शेखावत

(d) कोमल कोठारी

8. ताजे नमीयुक्त प्लास्टर की दीवार पर की गई चित्रकारी कहलाती है:

(a) तैल चित्रकारी

(b) जल चित्रकारी

(c) सिको चित्रकारी

(d) ब्यूऑन फ्रेस्को

9. पाड़ कलाकार श्री लाल जोशी का सम्बन्ध राजस्थान के किस क्षेत्र से है -निम्नलिखित विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें:

(a) भीलवाड़ा

(b) जयपुर

(c) झालावाड़

(d) कोटा

10. ग्रामीण गैर-कृषि विकास एजेन्सी की स्थापना राजस्थान सरकार द्वारा नवम्बर 1995 में की गई थी। इसका उद्देश्य है-

(a) शिल्पकार परिवारों के लिये स्वरोजगार को बढ़ावा देना।

(b) शिल्पकार परिवारों के लिये मजदूरी पर रोजगार को बढ़ावा देना।

(c) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति व गरीबी की रेखा से नीचे वाले परिवारों के लिये स्वरोजगार और मजदूरी पर रोजगार को बढ़ावा देना।

(d) ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन के लिये रियायती वित्त और प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करना।

11. उस्ता अली रज़ा और उस्ताद हामिद रुकनुद्दीन को बीकानेर के कौन-से शासक मुगल दरबार से बीकानेर लाये थे-

(a) महाराजा दलपतसिंह

(b) राव कल्याणमल

(c) महाराजा सूरसिंह

(d) महाराजा रायसिंह

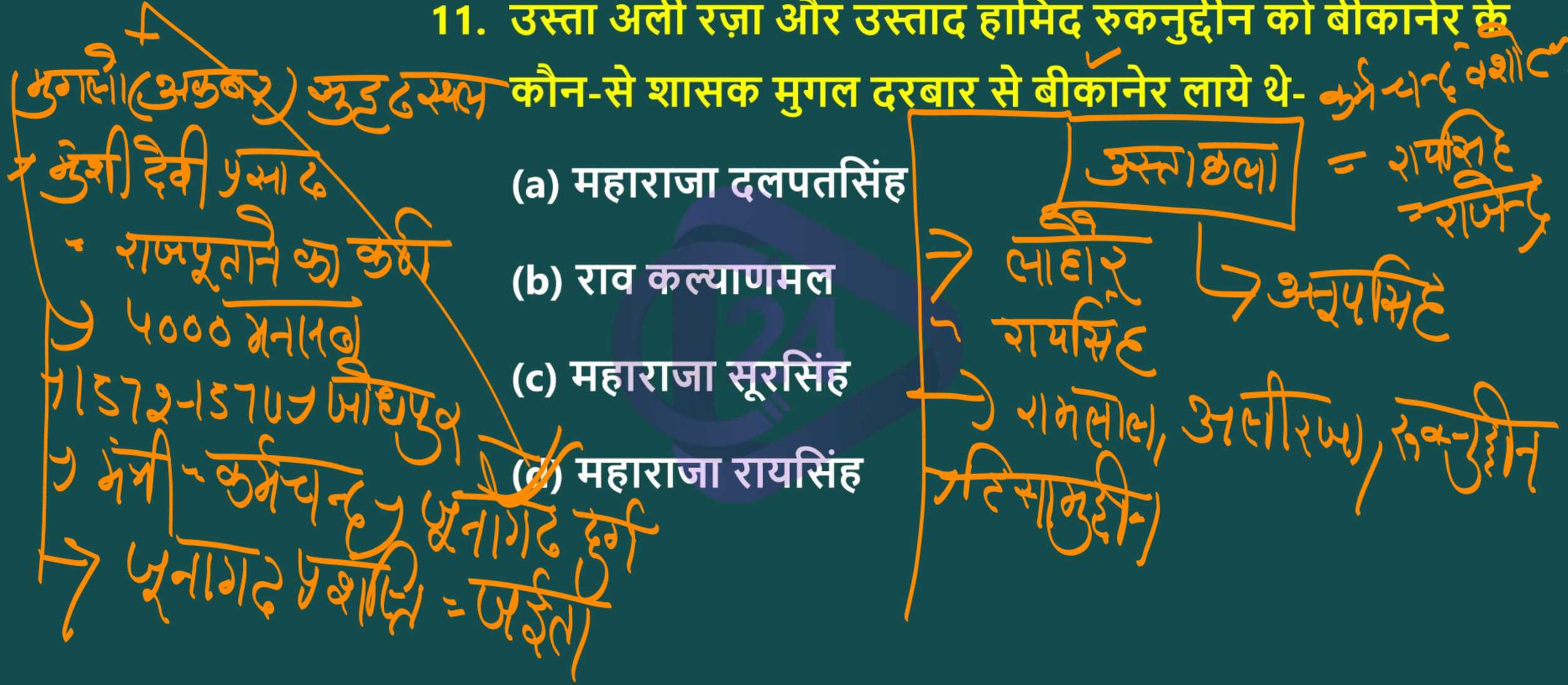

12. महेश सोनी, रामप्रसाद और बेनीराम सोनी राजस्थान के किस कला के प्रमुख कलाकार हैं -

(a) ऊस्ता कला

(b) थेवा कला

(c) मीनाकारी कला

(d) मांडणा कला

13. जयपुर में मीनाकारी की कला महाराजा मानसिंह प्रथम द्वारा कहाँ से लाई गई थी -

(a) ईरान

(b) बलूचिस्तान

(c) बंगाल

(d) लाहौर

14. निम्नलिखित में से कौन-सा स्थान और उसकी हस्तकला का संबंध सही ढंग से जोड़ा गया है -

(a) सवाई माधोपुर – कागज बनाने की कला

(b) नदबई (भरतपुर) - लकड़ी की कठपुतलियाँ - उदयपुर

(c) बस्सी गाँव (चित्तौड़) - चमड़े की मोजड़ियाँ - जोधपुर

(d) जयपुर – भौंडल (अभ्रक) की छपाई - भीलवाड़ा

15. गलीचे और दरियों के निर्माण के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सही है-

(a) इराक के शाह अब्बास द्वारा भेंट किया गया गलीचा बीकानेर संग्रहालय में रखा गया है।

(b) बीकानेर जेल में निर्मित गलीचे सर्वाधिक सुंदर माने जाते थे।

(c) सालावास गाँव (जोधपुर) दरियों के लिए प्रसिद्ध नहीं है, बल्कि गलीचों का मुख्य केंद्र है।

(d) टोंक ऊनी नमदों के लिए प्रसिद्ध नहीं है, केवल गलीचे यहाँ बनते हैं।

16. मंसूरिया या कोटा डोरिया बुनाई के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है -

(a) यह बुनाई कैथून गाँव (कोटा) के बुनकरों द्वारा सूती, रेशमी धागे और जरी के प्रयोग से की जाती है।

(b) कोटा डोरिया साड़ी की पहचान वर्गों की संख्या (300) से होती है और इसे 1761 में झाला जालिमसिंह ने शुरू करवाया था।

(c) मंसूरिया साड़ी का नाम मैसूर के बुनकर महमूद मसूरिया के नाम पर पड़ा और इसे GI टैग प्राप्त है।

(d) कैथून के अलावा मांगरोल (बाड़मेर) में भी यह बुनाई सर्वाधिक प्रसिद्ध है।

17. दाबू प्रिंट के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन गलत है -

(a) आकोला (चित्तौड़गढ़) दाबू प्रिंट के लिए प्रसिद्ध है और यहाँ की प्राकृतिक परिस्थितियाँ इसके लिए अनुकूल हैं।

(b) दाबू प्रिंट में रंग न चढ़ाने वाले स्थान को "लई" या "लुगदी" से दबाया जाता है, जिसे "दाबू" कहते हैं।

(c) सांगानेर और बगरू में गेहूँ के बींधण का दाबू प्रयोग होता है, जबकि सवाई माधोपुर में मोम का दाबू प्रसिद्ध है।

(d) दाबू प्रिंट में लकड़ी का छापा "बटकाड़े" कहलाता है, जिसे छीपा जाति के लोग बनाते हैं।

18. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन बंधेज रंगाई के संदर्भ में सही नहीं है

(a) जोधपुर और जयपुर का बंधेज प्रसिद्ध है, और राज्य में बंधेज की सबसे बड़ी मंडी जोधपुर में स्थित है।

(b) बंधेज का सर्वाधिक काम सुजानगढ़ (चूरू) में होता है, और इसके कारीगर तैय्यब खान को पद्मश्री से सम्मानित किया गया है।

(c) महिलाएँ बंधेज की साड़ी और ओढ़नी पहनती हैं, जबकि पुरुष इसके साफे नहीं बाँधते।

(d) बंधेज को "Tie & Die" के नाम से भी जाना जाता है।

19. टेराकोटा और मूर्तिकला के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प गलत है -

(a) मोलेला गाँव टेराकोटा कला का प्रमुख केंद्र है और यहाँ मिट्टी में गधे की लीद मिलाई जाती है।

(b) अलवर की कागजी टेराकोटा मिट्टी की बारीक और परतदार कलात्मक वस्तुओं के लिए जानी जाती है।

(c) राजस्थान में मूर्तिकला का व्यवस्थित विकास गुप्त काल से शुरू हुआ था।

(d) बीकानेर में हेरम्ब गणपति (शेर पर सवार) की मूर्ति स्थापित है।

20. ब्ल्यू पॉटरी के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है -

(a) इस कला की शुरुआत जयपुर में महाराजा मानसिंह प्रथम ने की और इसके विकास का श्रेय सवाई रामसिंह को है।

(b) ब्ल्यू पॉटरी का जन्म भारत में हुआ और यह जयपुर से ईरान तक फैली।

(c) कोटा की सुनहरी ब्लैक पॉटरी में लाख के रंगों का प्रयोग होता है।

(d) कृपाल सिंह शेखावत को इस कला के लिए पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था।

21. लाख की हस्तकला के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सही है -

(a) लाख की चूड़ियाँ केवल जयपुर में बनती हैं और इन्हें "मोकड़ी" कहा जाता है।

(b) महाराजा मानसिंह प्रथम के समय लाख कला को संरक्षण मिला और यह जोधपुर में सर्वाधिक विकसित हुई।

(c) सवाई माधोपुर और इंद्रगढ़ में लकड़ी के खिलौनों पर खराद से लाख का पक्का काम किया जाता है।

(d) लाख का काम केवल चूड़ियों तक सीमित है और इसमें काँच का प्रयोग नहीं होता।

22. हाथी दांत की चूड़ियों और कलात्मक वस्तुओं के निर्माण के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है -

(a) जोधपुर में हाथी दांत की चूड़ियाँ बनाई जाती हैं और यह राजस्थानी महिलाओं में सौभाग्य का प्रतीक मानी जाती हैं।

(b) जयपुर के आमेर महल में चंदन के किवाड़ों पर 17वीं शताब्दी की हाथी दांत की पच्चीकारी का काम देखा जा सकता है।

(c) उदयपुर और पाली में हाथी दांत की चूड़ियाँ नहीं बनतीं, केवल खिलौने और मूर्तियाँ बनाई जाती हैं।

(d) राजपूत समाज में विवाह के अवसर पर हाथी दांत का चूड़ा पहनने की प्रथा है।

23. थेवा कला के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है -

(a) यह कला काँच पर सोने की मीनाकारी के लिए जानी जाती है।

(b) यह कला विश्व में केवल प्रतापगढ़ जिले तक सीमित है।

(c) इसके कारीगरों को "पन्नीगर" कहा जाता है।

(d) इस कला को जयपुर के "राज सोनी परिवार" ने विकसित किया।

24. बकरी के बालों से जूट की पट्टियाँ बनाने का मुख्य केंद्र कहाँ है -

(a) जसोल (बालोतरा)

(b) दूद्व (जयपुर)

(c) खेतड़ी (झुंझुनु)

(d) गंगापुर (भीलवाड़ा)

25. मनोटी कला कहां प्रसिद्ध है, जिसमें ऊँट के चमड़े से सजाया जाता है -

(a) उदयपुर

(b) जयपुर

(c) बीकानेर

(d) जोधपुर

BSTC
(Pre D.El.Ed.)
OFFLINE BATCH START
23 MARCH
@ 8:00 AM
JOIN NOW
03 DAYS DEMO
FREE
TANISHKA TOWER , SHEOPUR ROAD, GAUSHALA , JAIPUR
HELPLINE NUMBER : 9057143416-17

CET
(PREPARATION FOR CET EXAM - 12TH LEVEL)
NEW BATCH START
23 MARCH
@ 8:00 AM
JOIN NOW
03 DAYS DEMO
FREE
TANISHKA TOWER , SHEOPUR ROAD, GAUSHALA , JAIPUR
HELPLINE NUMBER : 9057143416-17